प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

इन्डस्ट्री–एकेडमिया समिट फार सिडकुल उत्तराखण्ड 2023 का आयोजन

पन्तनगर। 18 नवम्बर 2023। विश्वविद्यालय में आईडीपी नाहेप एवं उनकी टीम द्वारा उत्तराखण्ड में स्थित सिडकुल के अन्तर्गत स्थापित कम्पनियों के साथ परिवर्तन की दिशा में बातचीत और सहयोग के लिए एक मंच प्रदान कर विद्यार्थियों के साथ नवाचार को बढ़ावा देने हेतु आज इन्डस्ट्री–एकेडमिया समिट फार सिडकुल उत्तराखण्ड 2023 का आयोजन किया गया। सम्मेलन में कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान के साथ टाटा मोटर्स के मुख्य प्रबंधक श्री श्रीकान्त शर्मा, सिडकुल एंटरप्रेन्योर वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष श्री श्रीकर सिन्हा एवं सिडकुल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन, हरिद्वार के अध्यक्ष श्री हरिन्द्र गर्ग मंचासीन थे। सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा की गयी। इस अवसर पर लगभग 20 से अधिक कम्पनियों के प्रतिनिधि के साथ आईडीपी नाहेप की टीम, विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशकगण, वैज्ञानिक, संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

सम्मेलन में उपस्थित सभी अतिथियों ने अपने–अपने अनुभवों को सभी के साथ साक्षा किया। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में डा. मनमोहन सिंह चौहान ने बताया कि 'जय जवान, जय किसान' का नारा श्री लाल बहादुर शास्त्री जी, 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' का नारा श्री अटल बिहारी बाजपेयी एवं हमारे प्रधानमंत्री जी ने 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान' का नारा दिया। उन्होंने कहा कि विज्ञान एवं अनुसंधान की जिम्मेदारी हमारे विश्वविद्यालय की है और इसके लिए ही औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े उद्यमी हमारे बीच उपस्थित हैं। उन्होंने बताया कि आज देश में वैज्ञानिक मशीनरी, एआई आदि तकनीकों पर कार्य कर रहे है। विश्वविद्यालय में उन्नतशील बीजों के निमार्ण के लिए वैज्ञानिक निरन्तर प्रयासरत है तथा विश्वविद्यालय में नयी–नयी प्रजातियां विकसीत की जा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि इस सम्मेलन में आयी हुयी कम्पनियों के प्रतिनिधयों से उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों एवं तकनीकों की जानकारी ग्रहण करें। विद्यार्थियों को हर एक क्षेत्र में परांगत होना चाहिए जिससे किसी भी कार्य क्षेत्र में आसानी से उस कार्य को कर सके। विद्यार्थियों को आज के समय के अनुरूप अपनी सोच में बदलाव करने की आवश्यकता है जिससे उनके द्वारा उत्पन्न की गयी नयी तकनीकों के उपयोग से किसानों को लाभ मिल सके।

सम्मेलन के प्रारम्भ में अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय एवं परियोजना अधिकारी, आईडीपी नाहेप डा. एस.के. कश्यप द्वारा सभी का स्वागत करते हुए सम्मेलन की रूप–रेखा बतायी तथा सम्मेलन में आए हुए कम्पनियों से जुड़े प्रतिनिधियों के बारे में भी विस्तार से बताया। सम्मेलन में आए प्रतिनिधियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया तथा विश्वविद्यालय कुलपति एवं अतिथियों ने प्रतिनिधियों से चर्चा की। सम्मेलन के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डा. एस.के. गुरू ने किया।

सम्मेलन में संबोधित करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।

सम्मेलन में अतिथियों के साथ कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।

निदेशक संचार